an>

Title: Announcement regarding Reference of Demands for Grants to Standing Committees.

HON. SPEAKER: Hon. Members, although Rule 331G of the Rules of Procedure has been suspended to enable the House to pass the Demands for Grants without the same being referred to the concerned Departmentally Related Standing Committees, the Demands would, however, stand referred to the Standing Committees, after they have been constituted, for examination and report to the House so that the Committees can make suitable recommendations which may be used in the preparation of Demands for Grants for the next year.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Now, the House will take up Demands for Grants relating to the Ministry of Water Resources.

SHRI P. KARUNAKARAN (KASARGOD): Madam, I have a submission. I have given a notice of privilege.

माननीय अध्यक्ष : आपकी प्रिविलेज नोटिस मिली है, मैं इसको देख रही हूं, बाद में बताऊंगी।

श्री बृजभूषण शरण सिंह (कैसरगंज) : अध्यक्ष महोदया, माननीय सदस्य ने विशेषाधिकार नोटिस दिया है, उसकी बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान)

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) : अध्यक्ष महोदया, कानून मंत्री जी यहां बैठे हैं, इस विषय को स्पष्ट कर दें, नहीं तो बहुत बड़ा विवाद और टकराव खड़ा हो गया है, कांस्टीट्यूशनल क्राइसिस हो रही है। ...(व्यवधान) कानून की क्या पोजीशन है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप किस बारे में बोल रहे हैं? किस बात पर बोल रहे हैं?

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा : अध्यक्ष महोदया, कानून मंत्री जी बैठे हैं, थोड़ी स्थिति स्पष्ट हो जाए। वहां बहुत बड़ा कांस्टीट्यूशनल क्राइसिस खड़ा हो गया है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अगर मंत्री जी कुछ बताना चाहें, तो बताएंगे, मैं उनको कुछ नहीं कह सकती। If he wants to say anything, he can. I have no objection if he wants to say. क्या आप इसके बारे में कुछ कहना चाहेंगे?

*m02

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री तथा विधि और न्याय मंत्री (श्री रवि शंकर प्रसाद) : अध्यक्ष महोदया, जो विषय माननीय सदस्य श्री चन्दूमाजरा जी ने उठाया है, वह सरकार के ध्यान में है। अटॉर्नी जनरल की राय के आधार पर सरकार ने एक आग्रह किया था, इसके आगे जो विषय है, वह गृहमंत्रालय के पास विचाराधीन है।...(व्यवधान)

श्री बृजभूषण शरण सिंह : अध्यक्ष महोदया, हमने एक विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : हो गया, अब बैठ जाइए।

योगी आदित्यनाथ जी ।

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): अध्यक्ष महोदया, एक माननीय सदस्य के साथ उत्तर प्रदेश के अन्दर किस प्रकार से दुर्व्यवहार हो रहा है। उनको संरक्षण कौन देगा?...(व्यवधान)

श्री बृजभूषण शरण सिंह : महोदया, आप हमें संरक्षण नहीं देंगी, तो हमें कौन संरक्षण देगा।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपको शाम समय दे देंगे। जीरो आवर में उठाएंगे। अभी बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अभी नहीं, अभी जीरो आवर समाप्त हो गया है, हम आगे निकल गए हैं। शाम को समय दे देंगे। प्लीज बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज बैठिए। ऐसे नहीं होता।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपको भी शाम को समय मिल जाएगा। प्लीज बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: The House will now take up discussion and voting on Demand No.106.

...(*Interruptions*)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : अध्यक्ष महोदया के कहने के बाद अब आप लोग बैठ जाइए। स्पीकर मैडम ने कहा है कि हम अगले सब्जेक्ट पर चले गए हैं। बैठ जाइए। अब विपक्ष से कौन बोलने वाले हैं इस विषय पर - Demands for Grants on Water Resources, that has been the subject agreed upon. The Chair has called that name....(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: मिश्रा जी, आपका मैटर मेरे समक्ष विचाराधीन है।

श्री बृजभूषण शरण सिंह : उत्तर प्रदेश के साथ भेदभाव हो रहा है, कल जिस तरीके से इनके साथ हुआ है, क्या हम यह मामला यहां नहीं उठा सकते?...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैंने कहा है कि मैं देख रही हूं। रंजीता जी, मैं आपको शाम को मौका दूंगी।

...(व्यवधान)

श्री बृजभूषण शरण सिंह: हमारे कार्यकर्ताओं को मारा जा रहा है, वहां कानून का राज नहीं रह गया है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपका प्रिवीलेज का नोटिस मेरे पास है। आप उस बारे में क्या कहना चाहते हैं?

श्री ददन मिश्रा (श्रावस्ती) : माननीय अध्यक्ष जी, मेरे संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत बलरामपुर नगर पालिका का उप-चुनाव 19 तारीख को था, जहां पर आचार संहिता की धज्जियां उड़ाई गई। प्रशान और सत्ता पक्ष द्वारा मिलकर चुनाव का मखौल उड़ाया गया। वहां के स्थानीय मंत्री और उनके लड़के द्वारा बूथ कैप्चरिंग की गई।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप अब बैठ जाएं, ऐसा नहीं होता है

...(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव (बदायूँ): आप चुनाव आयोग के पास जाएं।...(व्यवधान)

श्री ददन मिश्रा : हमारे लोगों को थानों में निरुद्ध किया गया। कल 20 तारीख को जब मैं मुख्यालय जा रहा था तो मुझे वहां जाने से रोका गया। बलरामपुर और श्रावस्ती के प्रशासन द्वारा हमें मुख्यालय नहीं जाने दिया गया।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: जो आपने लिखकर दिया है, मैं देखूंगी, अब सारी बातें यहां नहीं उठाई जातीं।

श्री ददन मिश्रा : सीमा को छावनी में तब्दील कर दिया गया...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अब आप बैठ जाएं, ऐसा नहीं होता है। अब रिकार्ड में नहीं जाएगा।

...(व्यवधान) *

माननीय अध्यक्ष: अब आब बैठ जाएं, क्योंकि जो आप कह रहे हैं वह रिकार्ड में नहीं जा रहा है। मैं आपको कह रही हूं कि अगर आपने कोई प्रिवीलेज मोशन का नोटिस दिया है तो मैं उसे देखूंगी और आप बोले ही जा रहे हैं। अब आप बैठ जाएं।

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल) : अध्यक्ष जी, मेरा भी नोटिस है।

माननीय अध्यक्ष: आपका कोई नोटिस नहीं है, सिर्फ जीरो ऑवर का है, उसके लिए मैं आपको शाम को मौका दूंगी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब आप बैठ जाएं, अभी नहीं लिया जाएगा, बजट पूरा होने के बाद देखेंगे।

_